Revocation of Indian Passport in Goa

SHRI SADANAND SHET TANAWDE (GOA): Sir, I beg to call the attention of the Minister of External Affairs to an important issue that has emerged in Goa, affecting a considerable number of individuals. The Regional Passport Office has recently revoked the passports of over 70 people due to the renewal of their Indian passports subsequent to registering their births in Portugal. The basis for this revocation by the Regional Passport Office in Goa is the birth registration in Portugal, considered as the effective date of acquiring citizenship.

I urge the Minister of External Affairs to reconsider the decision of revoking Indian passports solely based on the birth registration in Portugal.

I propose that the Ministry allows the renewal of Indian passports for these individuals until they acquire the official citizenship document from the Portuguese Government. This measure is vital to facilitate their travel and ensure their well-being during the transition period until their Portuguese passports are ready.

Furthermore, I implore the Ministry to expedite the process, enabling individuals to promptly obtain OCI cards upon acquiring Portuguese citizenship.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): Now, Shri Iranna Kadadi - not present. Shrimati Sulata Deo - not present. Shrimati Mahua Maji.

Demand to declare Central Institute of Psychiatry, Ranchi, Jharkhand as Institute of National importance on the line of NIMHAS, Bengaluru

श्रीमती महुआ माजी (झारखंड़) : महोदय, मानसिक चिकित्सा से जुड़े इस विश्व प्रसिद्ध अनूठे संस्थान की स्थापना वर्ष 1918 में हुई थी। अब, जब भारत में मानसिक समस्या तेजी से फैल रही है, तो पूर्वी भारत के रांची, झारखंड में स्थित इस संस्थान की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। मानसिक समस्या के कारण वर्ष 2012 से 2030 के बीच 1.03 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की आर्थिक क्षति का अनुमान है। लांसेट की वर्ष 2021 की रिपोर्ट के अनुसार हर सातवां भारतीय किसी न किसी प्रकार के मनोविकार का शिकार है। आज आर्थिक, सामाजिक तनाव, बेहतर जीवन प्रत्याशा और अवसाद के कारण माइग्रेन, एंग्ज़ायटी डिसऑर्डर, बाइपोलर डिसऑर्डर, सिज़ोफ्रेनिया, अल्ज़ायमर, डिमेंशिया इत्यादि जैसी मानसिक बीमारियां या मनोविकार हो रहे हैं। लोगों को इनसे बचाने और इनके समुचित इलाज के लिए एक अच्छे मनोचिकित्सा संस्थान का होना बहुत ज़रूरी है। महोदय, राँची स्थित यह संस्थान एक ऐसा अग्रणी संस्थान है, जो केन्द्र सरकार की सहायता से पूर्वी भारत के लोगों के मनोरोगों के ईलाज की दृष्टि से वरदान साबित हो रहा है।

अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करती हूँ कि सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ सायकेट्री को पूर्वी भारत का NIMHAS घोषित कर इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बनाया जाए, इसका पुनरुद्धार किया जाए। यहां शिक्षकों, पीजी सीट्स, वार्ड्स की संख्या और अन्य सुविधाएँ बढ़ाई जाएं, ताकि लोगों को सस्ती, सुलभ और विश्वस्तरीय चिकित्सा मिल सकें। NIMHAS, बेंगलुरु का बोझ भी कम हो, लोगों का राह खर्च, होटल खर्च और समय बचे तथा ज़रूरतमंदों को सस्ती, सुलभ और विश्वस्तरीय चिकित्सा मिल सके। यह संस्थान भारत को स्वस्थ्य रखने में मील का पत्थर साबित होगा। कृपया इस पर ध्यान दिया जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by Shrimati Mahua Maji: Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Mohamed M. Abdulla (Tamil Nadu) and Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Now, Shri K.R.N. Rajeshkumar - not present. Shrimati Geeta *alias* Chandraprabha.

Demand of GI Tag for Desi Ghee from Auraiya, Uttar Pradesh

श्रीमती गीता उर्फ चंद्रप्रभा (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। विभिन्न जिलों की अपनी-अपनी विशेषताएं हैं। हमारा जनपद औरैया देशी घी के लिये प्रसिद्ध है। महोदय, वैदिक काल से आज तक स्वास्थ्य के लिए और पूजा अर्चना के लिए देशी घी की बड़ी मान्यता रही है। महोदय, छोटे किसान जो गाय-भैंस पालकर अपना जीवकोपार्जन करते हैं, उनके द्वारा देशी घी को तैयार करने से उनकी आय की बढ़ोतरी होगी। इसी को देखते हुए माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा उत्तर प्रदेश में 'एक जिला, एक उत्पाद' नीति में औरैया जिले को चयनित कर, जिले के नागरिकों की चिन्ता की है। जिले में उत्पादित घी को देश-विदेश तक पहुँचाने एवं घी संबंधित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए 'एक उत्पाद योजना' के अंतर्गत जिले के उत्पाद के रूप में देशी घी को चुना गया है। जिले में देशी घी के उत्पादन और व्यापार को और मज़बूती देने के लिए तथा देश-विदेश तक इसकी पहुँच को सुनिश्चित करने के लिये, मैं आपके माध्यम से सरकार एवं माननीय मंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि औरैया जिले के देशी घी को GI टैग यानी ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग का दर्जा दिया जाए, जिससे देश के अन्य ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग (GI) प्राप्त वस्तुओं की तरह औरैया जिले के देशी घी को राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय पटल पर स्थान प्राप्त हो सके।

Demand for Capacity Building in Medical Services

LT. GEN. (DR.) D.P. VATS (RETD.) (Haryana): With the hon. Prime Minister's call for One World, One Family and One Future, provision of health services to mankind